दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र I)

PHILOSOPHY (Paper I)

2017

समय : तीन घण्टे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खंडों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं ।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए ।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

raadheythevision.in

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **Two Sections** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

1.(a) हेगेल के इस कथन की व्याख्या कीजिए : "समस्त अभेद, अभेदाभेद है ।"

Elaborate Hegel's dictum : "All identity is identity and difference." 10

1.(b) संवृत्तिशास्त्रीय अपचयवाद के समर्थन में हुसर्ल की तर्कबुद्धि की व्याख्या कीजिए ।

Explain Husserl's reasons for advocating phenomenological reductionism. 10

1.(c) 'मैं एक मनुष्य से मिला' यह कथन कैसे रसेल के लिये शव्दार्थक दृष्टि से समस्यापरक है ? रसेल इस कथन की सार्थकता का विवरण कैसे देते हैं ?

How is the statement, 'I met a man', semantically problematic for Russell ? How does he account for the meaningfulness of this statement ? 10

1.(d) किस अर्थ में प्रत्यय अंतर्यामी और इंद्रियातीत दोनों ही हो सकते हैं ? इस सन्दर्भ में प्लेटो के सामान्य और विशेषों के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए ।

In what sense can ideas be both immanent and transcendent ? Discuss in this context Plato's theory of universals and particulars. 10

1.(e) कैसे ह्यूम के अनुभव का विश्लेषण किसी स्थायी सत, चाहे वह भौतिक हो या मानसिक, में विश्वास के लिए कोई आधार नहीं छोड़ता है ।

Show how Hume's analysis of experience leaves no ground for belief in any permanent reality either physical or mental. 10

2.(a) कैसे 'सभी देह विस्तारित हैं' – एक विश्लेषणात्मक निर्णय है, किन्तु 'सभी देह भारी हैं' एक संश्लेषणात्मक निर्णय है ? क्या 'प्रत्येक घटना का एक कारण है' – एक विश्लेषणात्मक अथवा एक संश्लेषणात्मक निर्णय ? व्याख्या कीजिये ।

How is 'all bodies are extended' an analytic judgement but 'all bodies are heavy' a synthetic judgement ? Is 'every event has a cause' an analytic or a synthetic judgement ? Explain. 20

2.(b) विटगेन्स्टाइन का अर्थ का चित्र सिद्धान्त क्या है ? उसके द्वारा इस सिद्धान्त को छोड़ने तथा अर्थ के उपयोग सिद्धान्त को प्रस्तावित करने के क्या कारण हैं ?

What is Wittgenstein's picture theory of meaning ? What are his reasons for giving up this theory and suggesting the use theory of meaning ? 15

2.(c) अरस्तू के आकार और भौतिक द्रव्य के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये । यह अरस्तू को कैसे परिवर्तन (गति) एवं स्थायित्व की समस्या के समाधान के लिये समर्थ बनाता है ?

Explain Aristotle's theory of form and matter. How does it help him resolve the problem of change and permanence ? 15

3.(a) कांट के दिक् एवं काल के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये । यह सिद्धान्त काण्ट को यह व्याख्या करने में कैसे समर्थ बनाता है कि गणितीय प्रतिज्ञप्तियाँ संश्लेषणात्मक और अनुभवनिरपेक्ष दोनों हो सकती हैं ?

Elaborate Kant's theory of space and time. How does this theory enable him to explain how mathematical propositions can be both synthetic and a priori ? 20

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

3.(b) देकार्त के अनुसार एक 'स्पष्ट और सुभिन्न प्रत्यय' क्या है ? स्पष्ट और सुभिन्न प्रत्ययों की ज्ञानमीमांसीय स्थिति क्या है ? क्या यह विवरण भौतिक पदार्थों के अस्तित्व को सिद्ध करने में देकार्त का सहायक है ? व्याख्या कीजिए ।

What, according to Descartes, is a 'clear and distinct idea' ? What is the epistemological status of clear and distinct ideas ? Does this account help Descartes prove that material objects exist ? Explain. 15

3.(c) इंद्रियानुभववाद के दो हठधर्म क्या हैं, जिन पर क्वाइन प्रहार करता है ? द्वितीय हठधर्म के विरुद्ध उसके तर्क क्या हैं ?

What are the two dogmas of empiricism that Quine attacks ? What are his arguments against what he calls the second dogma ? 15

4.(a) लॉक किस प्रकार मूल गुणों और गौण गुणों के बीच भेद करता है ? क्या वह मूल गुणों के प्रत्यय और मूलगुणों के साथ साथ गौण गुणों के प्रत्यय और गौण गुणों के बीच भी भेद करता है ? विवेचना कीजिए ।

How does Locke draw a distinction between primary and secondary qualities ? Does he also draw a distinction between the *idea* of primary qualities and primary qualities as well as the *idea* of secondary qualities and secondary qualities ? Discuss. 20

4.(b) 'जो भी रंगीन है वह विस्तृत है', क्या यह वाक्य तार्किक प्रत्यक्षवादियों की अर्थपूर्णता की कसौटी को सन्तुष्ट करता है ? व्याख्या कीजिए ।

Does the sentence, 'Whatever is coloured is extended', satisfy the criterion of meaningfulness proposed by the logical positivists ? Explain. 15

4.(c) हाइडेगर की प्रामाणिकता की अवधारणा का विवेचन कीजिये और व्याख्या कीजिये कि कैसे एक अप्रामाणिक डेज़ाइन खोयी आत्मा को पुनः प्राप्त करता है ?

Discuss Heidegger's concept of authenticity and explain how an inauthentic Dasein regains the lost self? 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

Write short answers to the following in about 150 words each : 10×5=50

5.(a) "चैतन्य से विशिष्ट देह के अतिरिक्त आत्मा कुछ नहीं है ।" इस मत को स्वीकार करने में चार्वाक के क्या तर्क हैं ?

"The soul is nothing but conscious body." What are the reasons for Cārvāka in holding this view ? 10

5.(b) वैशेषिक दर्शन के अनुसार पदार्थ के आवश्यक लक्षण क्या हैं ?

What are the necessary characteristics of padārtha according to Vaiśeṣika philosophy ? 10

5.(c) न्याय दर्शन में प्रतिपादित वैध हेतु (वेलिड हेतु) की उपाधियों की व्याख्या कीजिए ।

Explain the conditions of valid hetu as propounded in Nyāya philosophy. 10

5.(d) "योगश्चित्तवृत्तिनिरोध:" से क्या तात्पर्य है ? चित्तवृत्ति तथा उसके प्रभावों की योग दर्शन के अनुसार व्याख्या कीजिये ।

What is meant by "yogaṣcittavṛttinirodhah" ? Explain cittavṛtti and its effects according to Yoga philosophy. 10

5.(e) माध्यमिकों के अनुसार सत् के स्वरूप की व्याख्या करने में चतुष्कोटि की भूमिका की व्याख्या कीजिये ।

Elucidate the role of catuṣkoṭi in explaining the nature of reality according to Mādhyamika school of thought. 10

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

6.(a) प्रत्यक्ष की प्राचीन न्याय परिभाषा की व्याख्या कीजिये । इस परिभाषा को परवर्त्ती न्यायायिकों द्वारा क्यों अपयाप्त माना गया है ?

Explain the early Nyāya definition of perception. Why this definition is considered inadequate by the later Naiyāyikas ? 20

6.(b) "जैन तत्त्वमीमांसा सापेक्षवादी एवं वस्तुवादी बहुतत्त्ववाद है ।" विवेचना कीजिये ।

"The Jaina metaphysics is relativistic and realistic pluralism." Discuss. 15

6.(c) क्षणिकवाद को सुस्थापित करने के लिये बौद्धों के तर्क क्या हैं ? क्या ये तर्क अनिवार्यतः कृतप्रणाश (कृतनाश) और अकृताभ्युपगम की ओर ले जाते हैं ?

What are the arguments of the Buddhists to establish Kṣaṇikavāda ? Do they necessarily lead to kṛtanāśa and akṛtābhyupagama ? 15

7.(a) माध्यमिक, योगाचारवादी एवं सर्वास्तिवादी सत् के स्वरूप के सम्बन्ध में कैसे भिन्न मत रखते हैं ? सर्वास्तिवादी कैसे अपने में सत् की सुविज्ञता के विषय में भिन्न मत रखते हैं ?

How do Mādhyamikas, Yogācāravādins and Sarvāstivādins differ among themselves concerning the nature of reality ? How do Sarvāstivādins differ among themselves with regard to knowledgeability of reality ? 20

7.(b) अतिमानसिक चेतना की अनुभूति में श्री अरविन्द का समग्रयोग कैसे सहायक है ? विवेचना कीजिये ।

How does Sri Aurobindo's integral yoga help in the realization of supramental consciousness ? Discuss. 15

7.(c) विवर्तवाद एवं परिणामवाद के बीच कार्यकारण-भाव के संदर्भ में भेद स्पष्ट करें तथा इन सिद्धान्तों के आलोक में शंकर एवं रामानुज, जगत् की स्थिति (status) के सम्बन्ध में कैसे भिन्न मत रखते हैं, व्याख्या कीजिये ।

Distinguish between vivartavāda and pariṇāmavāda with reference to causation and explain how in the light of these theories Sankara and Ramanuja differ on the status of the world. 15

8.(a) मीमांसकों के अनुसार ज्ञान के प्रामाण्य सिद्धान्त (प्रामाण्यवाद) की व्याख्या कीजिये । न्याय के प्रामाण्य सिद्धान्त की आलोचना मीमांसक कैसे करते हैं ?

Explain the theory of Validity of Knowledge (prāmāṇyavāda) according to Mīmāṁsakas. How did they criticize the Nyāya theory of Validity ? 20

8.(b) ईश्वर के प्रति रामानुज के संप्रत्यय की व्याख्या कीजिये और उन कठिनाइयों की जाँच कीजिये जो भौतिक द्रव्य एवं चित् की ईश्वर के साथ सम्बन्ध की व्याख्या करते समय उनके सामने आयी ।

Explain Ramanuja's conception of God and examine the difficulties he faced in explaining the relation of God to matter and spirit. 15

8.(c) अपने कार्यकारण-भाव के सिद्धान्त के आलोक में क्या सांख्य दर्शन के लिए जगत् में चेतना की उपस्थिति की व्याख्या करना सम्भव है ? विवेचना कीजिये ।

Given its theory of causation, is it possible for Sāṁkhya to explain the presence of consciousness in the world ? Discuss. 15

---

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009